खण्ड-445, अंक-2
सोमवार, 12 फाल्गुन, शक संवत् 1924
(3 मार्च, 2003 ई0)

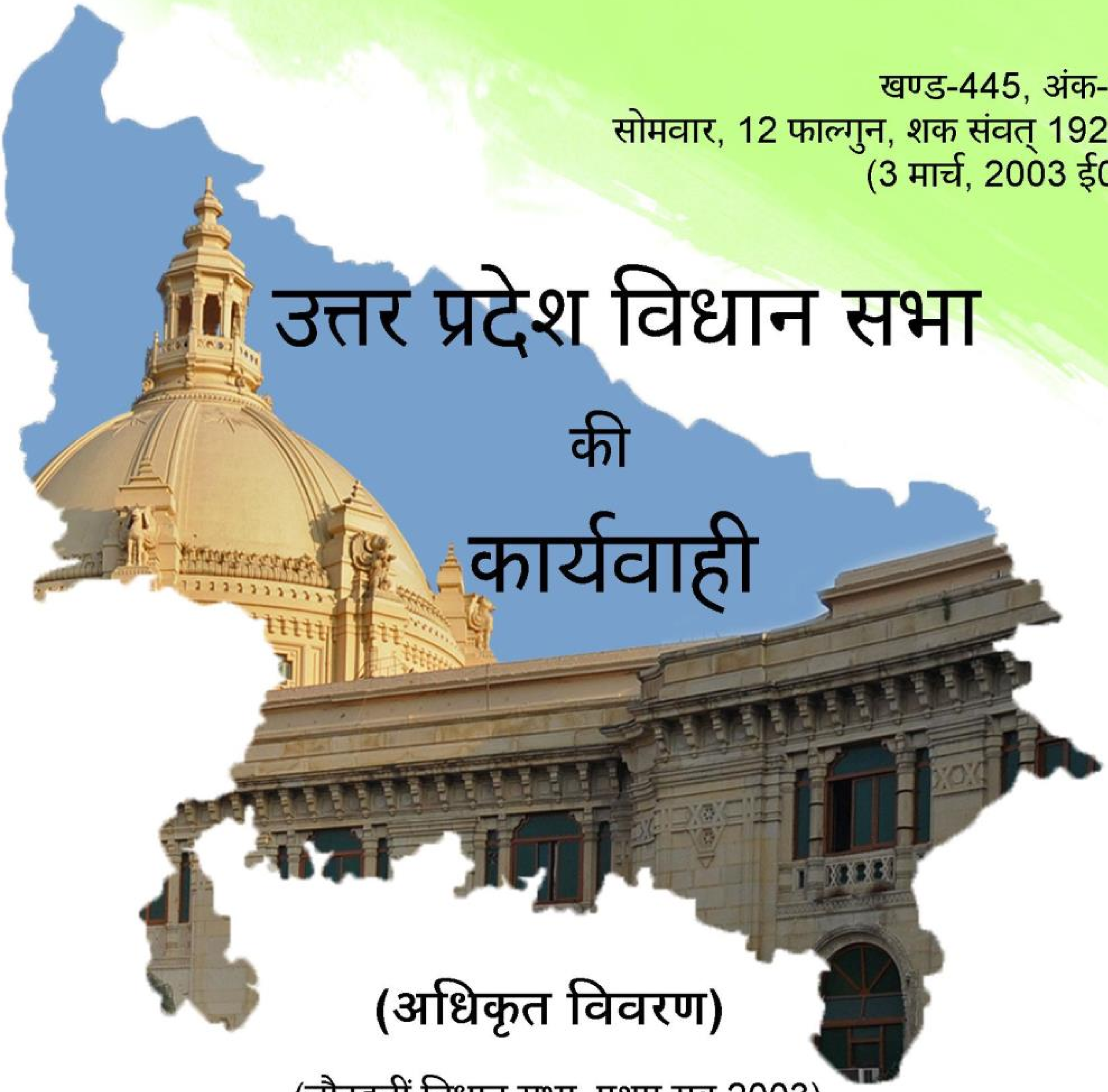

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(चौदहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र 2003)

खण्ड 445 में 4 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
2003

मूल्य : बिना महसूल रु0 16.75 पैसे, महसूल सहित रु0 21.00 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल रु0 586.25 पैसे, महसूल सहित रु0 724.25 पैसे |

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	क–ङ
विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री नूर मोहम्मद तथा श्री रामजीत राजभर के निधन पर शोकोद्गार	1–3
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री श्रीपति मिश्र, श्री प्रेम सिंह, श्री रामदत्त जोशी, चौधरी अब्दुल हसीब खां, श्री हरिसिंह बाल्मीकि, श्री शीतला प्रसाद सिंह, श्री सुखपाल पाण्डेय, डा० धर्मपाल सिंह, श्री सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री अतर सिंह यादव, श्री रघुनाथ सिंह, श्री गजेन्द्र सिंह, श्री राम अधार कनौजिया, श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री झिलमिट राम तथा श्री हरिशंकर तिवारी 'बिलग्रामी' के निधन पर शोकोद्गार	3–8

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोमवार दिनांक 3 मार्च, 2003

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अधिष्ठाता श्री हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव 'हरीश जी' के सभापतित्व में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य–369

अकीलुर्रहमान खां, श्री	मुरादाबाद
अक्षयवर लाल, श्री	बहराइच
अखिलेश कुमार सिंह, श्री	रायबरेली
अजय कपूर, श्री	कानपुर नगर
अजय कुमार, श्री	बागपत
अजय राय, श्री	वाराणसी
अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, श्री	बदायूं
अजीम भाई, श्री	फिरोजाबाद
अताउल रहमान, श्री	बरेली
अनवर महमूद, श्री	बलरामपुर
अनार सिंह दिवाकर, श्री	एटा
अनिल कुमार, श्री	बुलन्दशहर
अनिल कुमार मौर्य, श्री	मिर्जापुर
अनिल कुमार वर्मा, श्री	सीतापुर
अनिल कुमार पासवान, श्री	हरदोई
अनिल कुमार सिंह यादव, श्री	एटा
अनिल सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू, श्री	पीलीभीत
अनुग्रह नारायण उर्फ खोखा सिंह, श्री	देवरिया
अनुराधा चौधरी, श्रीमती	मुजफ्फरनगर
अनूप कुमार पाण्डेय, श्री	बस्ती
अन्सार अहमद, श्री	इलाहाबाद
अब्दुल कलाम, श्री	वाराणसी
अब्दुल कलाम, श्री	संत कबीर नगर
अब्दुल मन्नान, श्री	हरदोई
अब्बास अली जैदी उर्फ रुशदी मियां, श्री	बाराबंकी
अमरजीत सिंह जनसेवक, श्री	फतेहपुर
अमरमणि, श्री	महराजगंज
अमर सिंह यादव पुत्र श्री सुन्दर सिंह, श्री	हाथरस
अमिता सिंह, श्रीमती	सुल्तानपुर
अम्बिका चौधरी, श्री	बलिया
अम्बेश कुमारी, श्रीमती	महोबा
अयोध्या प्रसाद पाल, श्री	फतेहपुर
अरुण कुमार मेहरोत्रा, डा०	जालौन
अरुण कुमारी, श्रीमती	कानपुर देहात
अरुणवीर सिंह, श्री	बहराइच
अरुणा तोमर, श्रीमती	कानपुर नगर
अली बहादुर, श्री	बहराइच
अवधेश कुमार वर्मा, श्री	शाहजहांपुर
अवधेश प्रसाद, श्री	फैजाबाद
अशोक कुमार कटियार, श्री	कानपुर देहात
अशोक बाजपेयी, डा०	हरदोई
अशोक सिंह चौहान, श्री	मैनपुरी
आदित्य विक्रम सिंह (बोकू सिंह), श्री	सिद्धार्थनगर
आनन्द प्रकाश लोधी, श्री	फतेहपुर
आनन्द सेन, श्री	फैजाबाद
आर०एस० कुशवाहा, श्री	खीरी
आर० के० चौधरी, श्री	लखनऊ
आर०के० सिंह पटेल, श्री	चित्रकूट
आलम बदी, श्री	आजमगढ़
आलोक कुमार शाक्य, श्री	मैनपुरी
आशा किशोर, श्रीमती	रायबरेली
आशीष यादव, श्री	बदायूं
आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री	बदायूं
इकबाल महमूद, श्री	मुरादाबाद
इन्द्रजीत सरोज, श्री	कौशाम्बी
इन्द्रदेव सिंह, डा०	बिजनौर
इलम सिंह, श्री	सहारनपुर
उदयभान करवरिया, श्री	इलाहाबाद
उदयभान सिंह, श्री	वाराणसी
उदयराज, श्री	उन्नाव
उमा किरन, श्रीमती	मुजफ्फरनगर
उमा शंकर कुशवाहा, श्री	गाजीपुर
ओइमवेश, स्वामी	बिजनौर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

ओमकार सिंह यादव, श्री	बदायूं
ओम प्रकाश, श्री	गाजीपुर
ओम प्रकाश, श्री	सीतापुर
ओम प्रकाश (ओ० पी० सिंह), श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश पाण्डेय, श्री	सुल्तानपुर
ओम प्रकाश सिंह, श्री	मिर्जापुर
ओमवती देवी, श्रीमती	बिजनौर
कपिल देव यादव, श्री	मऊ
कमला प्रसाद रावत, श्री	बाराबंकी
कमलेश कुमार पासवान, श्री	गोरखपुर
कमाल यूसुफ मलिक, श्री	सिद्धार्थनगर
कल्याण सिंह, श्री	अलीगढ़
कल्यान सिंह दोहरे, श्री	कन्नौज
काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां, नवाब	रामपुर
कामेश्वर उपाध्याय, श्री	देवरिया
कालीचरन राजभर, श्री	गाजीपुर
काशी राम, श्री	रामपुर
किरण पाल कश्यप, श्री	मुजफ्फरनगर
किरनपाल सिंह, श्री	बुलन्दशहर
कुतुबुद्दीन अन्सारी, श्री	बिजनौर
कुलदीप सिंह सेंगर, श्री	उन्नाव
कृष्ण कुमार सिंह उर्फ सतीश वर्मा, श्री	हरदोई
कृष्णानन्द राय, श्री	गाजीपुर
कृष्णा पासवान, श्रीमती	फतेहपुर
कैलाश, श्री	गाजीपुर
कैलाश नाथ सिंह यादव, श्री	वाराणसी
कोविद कुमार, श्री	शाहजहांपुर
कौशल किशोर, श्री	खीरी
कौशल किशोर, श्री	लखनऊ
गंगा प्रसाद पुष्कर, श्री	आगरा
गंगा बक्श सिंह, डा०	उन्नाव
गंगा भक्त सिंह, श्री	हरदोई
गया चरन दिनकर, श्री	बांदा
गीता सिंह, श्रीमती	बलरामपुर
गुलाब देवी, श्रीमती	मुरादाबाद
घनश्याम शुक्ल, श्री	गोण्डा
घूरा राम, श्री	बलिया
चन्द्र किशोर, श्री	महराजगंज
चन्द्रदेव राम यादव करैली, श्री	आजमगढ़
चन्द्र भद्र सिंह, श्री	सुल्तानपुर
चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री	श्रावस्ती
चितरंजन स्वरूप, श्री	मुजफ्फरनगर
छेदी राम, श्री	गाजीपुर
छोटे लाल यादव, श्री	बाराबंकी
छोटे लाल वर्मा, श्री	आगरा
जगदम्बिका पाल, श्री	बस्ती
जगदीश नारायण (राय), श्री	जौनपुर
जगदीश मिश्र बाल्टी बाबा, श्री	कुशीनगर/पडरौना
जगदीश सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
जगदीस सोनकर, श्री	जौनपुर
जगन प्रसाद गर्ग, श्री	आगरा
जगराम सिंह, श्री	मुरादाबाद
जटाशंकर सिंह, श्री	बहराइच
जमालुद्दीन सिद्दीकी, श्री	फर्रुखाबाद
जय प्रताप सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
जयराम विमल, श्री	अम्बेडकर नगर
जयवीर सिंह, श्री	मैनपुरी
जयवीर सिंह, ठाकुर	अलीगढ़
जियाउद्दीन रिजवी, श्री	बलिया
ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री	महराजगंज
तेजपाल सिंह, श्री	मथुरा
दद्दू प्रसाद, श्री	चित्रकूट
दयाराम, श्री	कौशाम्बी
दया शंकर वर्मा, श्री	जालौन
दिनेश सिंह, श्री	सिद्धार्थनगर
दीनानाथ कुशवाहा, श्री	देवरिया
दीनानाथ भाष्कर, श्री	सन्त रविदास नगर,भदोही
दुर्गा प्रसाद मिश्र, श्री	देवरिया
दुर्गा प्रसाद यादव, श्री	आजमगढ़
देवकी नन्दन, श्री	हाथरस
देव नारायन उर्फ जी०एम० सिंह, श्री	गोरखपुर
देवेन्द्र प्रताप, श्री	एटा
देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	रायबरेली
द्वारिका प्रसाद, श्री	सन्त कबीर नगर
धर्मपाल सिंह, श्री	गाजियाबाद
धर्मपाल सिंह, श्री	बरेली

धर्मराज निषाद, श्री	अम्बेडकर नगर
धर्म सिंह सैनी, डा०	सहारनपुर
धर्मेन्द्र कुमार कश्यप, श्री	बरेली
धू राम, श्री	हमीरपुर
नत्थू सिंह, श्री	उन्नाव
नरेन्द्र कुमार, श्री	गौतमबुद्ध नगर
नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, डा०	इलाहाबाद
नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री	सीतापुर
नरेन्द्र सिंह सिसौदिया, श्री	गाजियाबाद
नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री	हरदोई
नवाब सिंह नागर, श्री	गौतमबुद्ध नगर
नारद राय, श्री	बलिया
पकौड़ी लाल, श्री	मिर्जापुर
परमेश्वर दयाल, श्री	सोनभद्र
पारस नाथ यादव, श्री	जौनपुर
पी० के० राय, डा०	कुशीनगर/पडरौना
पीटर फैन्थम, श्री	नाम-निर्देशित
पीतम राम, श्री	पीलीभीत
पूर्णमासी देहाती, श्री	कुशीनगर/पडरौना
प्रताप चौधरी, श्री	हाथरस
प्रदीप माथुर, श्री	मथुरा
प्रभु दयाल, श्री	मेरठ
प्रभु नारायण, श्री	वाराणसी
प्रमोद कुमार, श्री	प्रतापगढ़
प्रमोद गौड़, श्री	अलीगढ़
प्रागी लाल अहिरवार, श्री	झांसी
प्रेम पाल सिंह यादव, श्री	बदायूं
प्रेम लता कटियार, श्रीमती	कानपुर नगर
प्रेम सिंह, श्री	मथुरा
फतेह बहादुर, श्री	महराजगंज
फसीहा मुराद लारी उर्फ गजाला, श्रीमती	देवरिया
फागू, श्री	मऊ
बंशीधर राज, श्री	खीरी
बलराम यादव, श्री	आजमगढ़
बाबू राम, एम०काम०, श्री	जालौन
बाबू लाल, श्री	गोण्डा
बाबू लाल, चौधरी	आगरा
बाबू लाल कुशवाहा, श्री	बांदा
बिजय सिंह, श्री	फर्रुखाबाद
बीजू पटनायक, श्री	गाजीपुर
बीना भारद्वाज, श्रीमती	रामपुर
बृजेन्द्र कुमार व्यास (डमडम महराज), श्री	झांसी
बृजेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर, एडवोकेट	जालौन
बैजनाथ पासवान, श्री	मऊ
बैजनाथ दुबे, श्री	गोण्डा
ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री	देवरिया
भगवत शरन गंगवार, श्री	बरेली
भगेलू राम, श्री	सुल्तानपुर
भारतेन्द्र सिंह, कुंवर	बिजनौर
भूपेन्द्र सिंह, श्री	बदायूं
मुंशीलाल गौतम, श्री	बुलन्दशहर
मतेश चन्द्र सोनकर, श्री	कौशाम्बी
मदन गोपाल वर्मा, श्री	फतेहपुर
मदन चौहान, श्री	गाजियाबाद
मदन भैया, श्री	बागपत
मदन सिंह उर्फ सन्तोष कुमार, श्री	इटावा
मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री	रायबरेली
मलिक मसूद, श्री	आजमगढ़
मस्त राम चौ०, एडवोकेट	उन्नाव
महबूब अली, श्री	ज्योतिबाफूलेनगर
महेन्द्र कुमार सिंह उर्फ झीनबाबू, श्री	सीतापुर
महेन्द्र सिंह राजपूत, श्री	इटावा
महेश नारायण सिंह, श्री	इलाहाबाद
माता प्रसाद पाण्डेय, श्री	सिद्धार्थनगर
मान पाल सिंह, श्री	एटा
माया प्रसाद, श्रीमती	खीरी
मायावती, सुश्री	सहारनपुर
मिथिलेश कुमार, श्री	शाहजहांपुर
मुकुट बिहारी वर्मा, श्री	बहराइच
मुस्ताक सोलंकी, हाजी	कानपुर नगर
मूलचन्द्र, श्री	बिजनौर
मोख्तार अंसारी, श्री	मऊ
मोहन देव शंखवार, श्री	फिरोजाबाद
मोहम्मद आकिल उर्फ मुन्ना मियां, श्री	मुरादाबाद
मोहम्मद आजम खां, श्री	रामपुर
मोहम्मद इरशाद खां, श्री	लखनऊ

मोहम्मद बशीर, श्री	आगरा
मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी, श्री	इलाहाबाद
मोहम्मद रिजवान, श्री	मुरादाबाद
मो० शफीर, श्री	फतेहपुर
यशपाल चौधरी, श्री	खीरी
यशवन्त सिंह, डा०	मुजफ्फरनगर
याकूब, हाजी	मेरठ
योगेन्द्र कुमार, श्री	बदायूं
योगेश प्रताप सिंह उर्फ योगेश भइया, श्री	गोण्डा
रणवीर राणा, श्री	मेरठ
रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, कुंवर	कुशीनगर/पडरौना
रतन लाल अहिरवार, श्री	झांसी
रमापति उर्फ रमाकान्त, श्री	कुशीनगर/पडरौना
रमेश कान्त लवानिया, श्री	आगरा
रमेश कुमार शर्मा, श्री	झांसी
रमेश चन्द बिन्द, डा०	मिर्जापुर
रविन्द्र पुण्डीर, प्रो०	मेरठ
राकेश कुमार वर्मा, श्री	बाराबंकी
राकेश सचान, श्री	कानपुर देहात
राज किशोर सिंह, श्री	बस्ती
राजपाल त्यागी, श्री	गाजियाबाद
राजपाल सिंह बालियान, श्री	मुजफ्फरनगर
राजपाल सिंह सैनी, श्री	मुजफ्फरनगर
राजरानी रावत, श्रीमती	बाराबंकी
राजलक्ष्मी वर्मा, श्रीमती	बाराबंकी
राजवीर सिंह, श्री	बुलन्दशहर
राजा राम, श्री	प्रतापगढ़
राजीव कुमार सिंह, श्री	बाराबंकी
राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, श्री	प्रतापगढ़
राजेन्द्र प्रसाद यादव, श्री	लखनऊ
राजेन्द्र सिंह चौहान, श्री	एटा
राजेन्द्र सिंह राणा, श्री	सहारनपुर
राजेश अग्रवाल, श्री	बरेली
राजेश कुमार, श्री	खीरी
राधा मोहन दास अग्रवाल, डा०	गोरखपुर
राधेश्याम जायसवाल, श्री	सीतापुर
राधेश्याम सिंह, श्री	कुशीनगर/पडरौना
राम अचल राजभर, श्री	अम्बेडकर नगर
राम इकबाल सिंह, श्री	बलिया
राम करन आर्य, श्री	बस्ती
राम किशुन, श्री	वाराणसी
राम कृपाल, श्री	इलाहाबाद
राम कृष्ण, श्री	सीतापुर
राम गोविन्द चौधरी, श्री	बलिया
रामजी शुक्ला, श्री	औरैया
रामपाल यादव, श्री	सीतापुर
राम प्रकाश त्रिपाठी, श्री	कन्नौज
राम प्रताप सिंह, श्री	गोण्डा
राम प्रसाद चौधरी, श्री	बस्ती
राम बाबू हरित, डा०	आगरा
राम बिशुन आजाद, श्री	गोण्डा
राम भुआल निषाद, श्री	गोरखपुर
राम लाल अकेला, श्री	रायबरेली
रामवीर उपाध्याय, श्री	हाथरस
रामवीर सिंह, श्री	फिरोजाबाद
राम शंकर पाल, श्री	उन्नाव
राम सेवक, श्री	सुल्तानपुर
राम स्वरूप सिंह, श्री	कानपुर देहात
राम स्वरूप सिंह, श्री	बिजनौर
रामहेत, श्री	सीतापुर
रामेश्वर सिंह यादव, श्री	एटा
रिजवान अहमद खां, श्री	ज्योतिबा फूले नगर
रियाज अहमद, श्री	पीलीभीत
रेवती रमण सिंह, कुं०	इलाहाबाद
लक्ष्मीकान्त बाजपेयी, डा०	मेरठ
लालजी टण्डन, श्री	लखनऊ
लाल जी वर्मा, श्री	अम्बेडकर नगर
लाल बहादुर यादव, श्री	जौनपुर
वकार अहमद शाह, डा०	बहराइच
वसीम अहमद, श्री	आजमगढ़
विजमा यादव, श्रीमती	इलाहाबाद
विजय कुमार मिश्रा, श्री	सन्त रविदासनगर, भदोही
विजय बहादुर पाल, श्री	फर्रुखाबाद

विधान सभा

विजय सिंह, श्री	सोनभद्र
विजेन्द्र सिंह, श्री	हाथरस
विद्या चौधरी, श्रीमती	आजमगढ़
विद्या सागर गुप्ता, श्री	लखनऊ
विनय शाक्य, श्री	औरैया
विनोद कुमार उर्फ पण्डित सिंह, श्री	गोण्डा
विनोद कुमार यादव कक्का, श्री	इटावा
विनोद कुमार सिंह, श्री	जौनपुर
विनोद तिवारी, डा०	पीलीभीत
विमल कृष्ण अग्रवाल उर्फ पप्पी, श्री	बदायूं
विवेक बंसल, श्री	अलीगढ़
विशम्भर प्रसाद निषाद, श्री	बांदा
विश्राम सिंह यादव, श्री	हरदोई
वीरेन्द्र प्रताप सिंह मुन्ना, श्री	शाहजहांपुर
वीरेन्द्र सिंह गंगवार, श्री	बरेली
वीरेन्द्र सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
वीरेश्वर, श्री	अलीगढ़
वेदराम भाटी, श्री	बुलन्दशहर
शंख लाल मांझी, श्री	सन्त कबीर नगर
शचीन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री	सन्त रविदास नगर, भदोही
शब्बीर, श्री	बहराइच
शमीमुल हक, श्री	मुरादाबाद
शरदवीर सिंह, श्री	शाहजहांपुर
शहजिल इस्लाम, श्री	बरेली
शाकिर अली, श्री	देवरिया
शारदा देवी, श्रीमती	गोरखपुर
शारदा नन्द अंचल, श्री	बलिया
शारदा प्रसाद, श्री	चन्दौली
शाहिद मंजूर, श्री	मेरठ
शिव कुमार बेरिया, श्री	कानपुर देहात
शिव चरन, श्री	हमीरपुर
शिव तपस्या पासवान, श्री	चन्दौली
शिव पाल सिंह यादव, श्री	इटावा
शिवाकान्त ओझा, प्रोफेसर	प्रतापगढ़
शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिव बाबू, श्री	महराजगंज
शिशुपाल सिंह यादव, श्री	एटा
शैलेन्द्र यादव "ललई", श्री	जौनपुर
श्याम सिंह अहेरिया, श्री	मथुरा
श्याम देव राय चौधरी, श्री	वाराणसी
श्याम नारायन, श्री	महराजगंज
श्याम लाल रावत, श्री	सीतापुर
श्याम सुन्दर शर्मा, श्री	मथुरा
श्याम सूरत उपाध्याय, श्री	इलाहाबाद
संजय गर्ग, श्री	सहारनपुर
संजीव दरियाबादी, श्री	कानपुर नगर
सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर
सत्य प्रकाश अग्रवाल (कैलाश डेरी वाले), श्री	मेरठ
सदल प्रसाद, श्री	गोरखपुर
सत्य नारायण, श्री	हरदोई
सन्ध्या कठेरिया, कु०	मैनपुरी
समरपाल सिंह, श्री	बागपत
सर्वेश कुमार उर्फ राकेश कुमार, कुं०	मुरादाबाद
सलिल विशनोई, श्री	कानपुर नगर
सिद्ध गोपाल साहू, श्री	महोबा
सियाराम सागर, डा०	बरेली
सीताराम निषाद, श्री	फैजाबाद
सुखदेव राजभर, श्री	आजमगढ़
सुख देवी वर्मा, श्रीमती	इटावा
सुन्दर लाल, श्री	उन्नाव
सुन्दर सिंह, श्री	बुलन्दशहर
सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा०	बांदा
सुरेन्द्र प्रकाश गोयल, श्री	गाजियाबाद
सुरेन्द्र प्रताप सिंह, श्री	जौनपुर
सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री	रायबरेली
सुरेन्द्र सिंह पटेल, श्री	वाराणसी
सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहांपुर
सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री	लखनऊ
सुरेश चन्द्र तिवारी, श्री	लखनऊ
सुल्तान बेग, श्री	बरेली
सुशील चौधरी, डा०	सहारनपुर
सूरज सिंह शाक्य, श्री	एटा
सोमारू राम सरोज, श्री	जौनपुर
सोवरन सिंह, श्री	मैनपुरी
हरि ओम यादव, श्री	फिरोजाबाद
हरि प्रताप सिंह, श्री	प्रतापगढ़
हरिशंकर तिवारी, श्री	गोरखपुर
हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव "हरीश जी", श्री	वाराणसी
हुकुम सिंह, श्री	मुजफ्फरनगर
होशियार सिंह, श्री	बुलन्दशहर
जंग बहादुर, श्री	सुल्तानपुर

नोटः– श्री नसीसुद्दीन सिद्दीकी परिवहन एवं आबकारी मंत्री तथा श्री बाबू सिंह कुशवाहा, भूतत्व एवं खनिज मंत्री भी सदन में उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोमवार, दिनांक 3 मार्च, 2003

विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री नूर मोहम्मद तथा श्री रामजीत राजभर के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (सुश्री मायावती)–

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुझे दुख के साथ सदन को यह सूचित करना पड़ रहा है कि वर्तमान विधान सभा के दो सदस्यों का निधन हो गया है । श्री नूर मोहम्मद जी का निधन 9 नवम्बर, 2002 को एक एक्सीडेंट की वजह से हुआ । यह जिला सुल्तानपुर के रहने वाले थे और यह गौरीगंज विधान सभा से चुनकर आये थे । दूसरे सदस्य श्री रामजीत राजभर, जो मोस्ट बैकवर्ड क्लास से ताल्लुक रखते थे, का निधन 14 फरवरी, 2003 को हुआ था । यह जिला वाराणसी के रहने वाले थे और दो बार एम०एल०ए० चुनकर आये थे।एक बार धानापुर की सीट से तथा एक बार चिरईगांव की सीट से । यह जो दोनों सदस्य थे यह अपने क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे । यह समाजसेवी तथा कुशल राजनीतिज्ञ थे । इन दोनों के निधन पर मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से और पूरे सदन की ओर से गहरा दुख व्यक्त करती हूं और कुदरत से दुआ करती हूं कि कुदरत इन दोनों परिवारों को सुख और शांति प्रदान करे ।

नेता विरोधी दल (श्री मोहम्मद आजम खां)––

मान्यवर, दो सदस्य जो पिछले सदन में हमारे साथ बैठते थे आज हमारे बीच में नहीं हैं । यही जीवन चक्र है और इसी जीवन चक्र में हमारे नूर मोहम्मद साहब, इत्तफाकन मेरे दारूलशफा के रिहाइशी मकान के सामने रहते थे । राजनैतिक तौर पर भले ही विरोध रहा हो लेकिन जातीय तौर पर मेरा उनसे परिचय था । हमारी सोच अलग-अलग थी लेकिन जब भी हमारी मुलाकात होती थी तो यही लगता था कि हमारी बहुत अच्छे आदमी से मुलाकात हुई है । बहुत छोटी उम्र में ऐसे राजनैतिक कार्यकर्ता और समाजसेवी को खोया है जो आने वाले दिनों में उस कमजोर वर्ग के लिए नुमाइन्दगी करता और जिनके न रहने से उनका इलाका महरूम हो गया है । किसी अच्छे इन्सान का नुकसान होता है और यह दोनों आदमी एक अहम स्थान रखते थे और प्रदेश के राजनीतिक कारोबार को चलाने का हिस्सा थे । यह दोनों आज नहीं हैं । हमारी राजनीति में काम करने वाले जीत को अपनी जीत समझते हैं । जबकि राजनीतिक तौर पर अपनी नीतियों के साथ जीतते हैं । मैं किसी शख्सियत जमात की नीति की बात नहीं कर रहा हूं, लोगों की नीतियों की बात कर रहा हूं । यह जिस मकान में रहते थे वह मेरे मकान के सामने था जो कि उनके नाम नहीं था, एलाटेड नहीं था । वह उसके वारिस नहीं थे । अभी तक राजनीति में इतना लिहाज, इतनी परम्पराएं बाकी थीं कि उससे मकान खाली कराने के लिए कुछ लम्हों का इंतजार किया जाता था कि दूसरा चुनकर आ जाये तो यह मकान खाली हो जाय । चूंकि नूर मोहम्मद का वारिस जिन्दा था और उनके बेटे को टिकट भी मिला था । वह चुनाव भी लड़े थे । लेकिन हम समझते हैं कि जिंदगी जीतती है लेकिन सच्चाई यह है कि जिंदगी है मौत । जिंदगी हमेशा हारती है और मौत हमेशा जीतती है । जिस दिन नूर मोहम्मद साहब का घर खाली हो रहा था, उस दिन मुझे कष्ट हुआ था । हम इतना कहेंगे कि हमने इतना इंतजार भी नहीं किया कि अगला चुनाव हो जाये और दूसरा कोई व्यक्ति चुनकर आ जाये । हमारे अंदर की इंसानियत और एखलाकी राजनीति सूखी यहां तक कि खोखली हो गयी है । इसलिए मान्यवर, दुख के साथ आज दोहरा दुख है । नूर मोहम्मद साहब सांस और जिंदगी के दरबार से दूर हो गये लेकिन उस दिन दोहरी मौत मरे जब जबरन मकान खाली हुआ और दूसरा विधायक चुनकर नहीं आया था । श्री रामजीत राजभर जी के निधन पर गहरा दुख और

शोक इसलिए है क्योंकि वह हमारे दल के थे और मुझसे प्यार किया करते थे और मेरे पास घण्टों बैठा करते थे । मैं आपसे जरूर कहना चाहूंगा कि इलाज से पहले एक दिन मुझसे कहा कि नेताजी से कहिए कि मेरे इलाज में जल्दी करें वरना मैं मर जाऊंगा । हम मरने में यकीन करने वाले लोग यह भी मानते हैं कि कभी-कभी घड़ी ऐसी भी होती है कि दुआ कबूल हो जाती है । राजभर जी ने ऐसे ही कहा होगा और शायद वह कबूल होने वाली घड़ी थी । उनके ओहदे से, उनकी एक्टीविटीज से, उनकी कर्मठता से, बहादुरी से, अखिलियत से यह कोई नहीं कह सकता था कि मौत उनके इतने करीब खड़ी हुई है । हम लोग यही समझते हैं कि मौत हमसे बहुत दूर है लेकिन मौत हर व्यक्ति के बहुत करीब खड़ी हुयी है । राजभर जी का निधन बहुत कम समय में हो गया । उन्हें दिल का दौरा पड़ा था । बाईपास सर्जरी हुयी थी और यह भी देखा गया है कि कई ऐसे आपरेशन्स बाईपास के संजय गांधी में हुए कि वह लोग जी नहीं सके । महीने-15 दिन के अन्दर उनकी मौत हो गयी । इस पर आज विचार करने की जरूरत है । इनके निधन पर हमें और हमारे दल को, सदन को पूरा दुख है । मैं दुआ करता हूं कि उनके परिवारों को सुख दे और उनकी जिंदगी को अच्छी बना दे ।

(बीच में श्री प्रमोद कुमार ने खड़े होकर बोलने का प्रयास किया ।)

श्री अधिष्ठाता–

कार्यमंत्रणा समिति का निर्णय यह है कि केवल माननीय नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष ही बोलेंगे ।

(श्री प्रमोद कुमार के द्वारा पुनः आग्रह करने पर श्री अधिष्ठाता ने उन्हें बोलने की अनुमति प्रदान कर दी) ।

श्री प्रमोद कुमार–

अधिष्ठाता महोदय मान्यवर, जो दुनिया में आता है उसे जाना पड़ता है । यह काल का नियम है, विधि का विधान है । लेकिन मान्यवर, कुछ ऐसे लोग होते हैं जिनके जाने पर उनके कार्य आंखों के सामने बैठे रहते हैं ।श्री नूर मोहम्मद जी की आयु नहीं थी जब वह हमारे बीच से चले गये । आज जब हम उनमें प्रबल संभावनाएं देख रहे थे गरीबों की सेवा करने के लिए । मान्यवर, मैं अपनी ओर से अपने दल की ओर से हार्दिक संवेदना उनको और उनके परिवारजनों को व्यक्त करता हूं । मान्यवर, उनका निधन कोई प्राकृतिक मौत नहीं थी । उनका निधन तब हुआ जब वह अपने घर के सामने अपने खेत की मेड़ से गुजर रहे थे । तो बगल में बिजली का खम्भा था । मान्यवर, उससे एक तार निकल कर आता है, जो उस खम्भे को मजबूत करता है । मैं आपके माध्यम से नेता सदन का भी ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि उस खम्भे में जो तार निकला था, लाजिमी तौर पर उसमें इन्सुलेटर लगाया जाता है । मान्यवर, जैसे ही उनके निधन का समाचार मुझे मिला मैं वहां गया, वहां मुझे देख कर आश्चर्य हुआ कि जिस खम्भे के तार से चिपक कर उनकी मौत हुई थी उसमें इन्सुलेटर नहीं लगा था । काश इन्सुलेटर लगा होता तो शायद उनकी मौत नहीं हुई होती । मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूं कि उनका परिवार साधारण परिवार है, गरीबी के तपके के नीचे रहने वाले लोग थे, मैं आग्रह करूंगा कि कहीं न कहीं से हम उनकी मौत की जिम्मेदारी को स्वीकार करें, अपनी गलती को स्वीकार करें, अब बिजली विभाग की ओर से या मुख्यमंत्री जी स्वयं अपनी ओर से उनके शोक-संतप्त परिवार को सहायता दें, जिससे उनका परिवार जीवन यापन कर सके, तो मैं समझता हूं कि सही मायने में यही उनकी सही श्रद्धांजलि होगी । इसी के साथ मैं अपनी तथा अपने दल की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं

और आपसे निवेदन करता हूं कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

श्री अधिष्ठाता–

इस सदन के वर्तमान विधायक श्री नूर मोहम्मद जी और श्री रामजीत राजभर जी थे, इन दोनों के निधन पर जो शोक संवेदनाएं माननीय नेता सदन और माननीय नेता प्रतिपक्ष ने व्यक्त की हैं, मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी दिवंगत आत्मा को वह शांति प्रदान करे और उनके शोकाकुल परिवार को उसे सहने की शक्ति दे, साथ ही मैं इस सदन की जो संवेदनाएं हैं उनको उनके परिवारजनों तक पहुंचाने का प्रबन्ध करूंगा।

अब दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए कृपया दो मिनट के लिए अपने स्थान पर मौन खड़े हो जायें।

(दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए सदन में सदस्यों ने खड़े होकर दो मिनट के लिए मौन धारण किया।)

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री श्रीपति मिश्र, श्री प्रेम सिंह, श्री रामदत्त जोशी, चौधरी अब्दुल हसीब खां, श्री हरी सिंह बाल्मीकि, श्री शीतला प्रसाद सिंह, श्री सुखपाल पाण्डेय, डा० धर्मपाल सिंह, श्री सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री अतर सिंह यादव, श्री रघुनाथ सिंह, श्री गजेन्द्र सिंह, श्री राम अधार कनौजिया, श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री झिलमिट राम तथा श्री हरि शंकर तिवारी (बिलग्रामी) के निधन पर शोकोद्गार

श्री अधिष्ठाता–

इस सदन के भूतपूर्व 16 माननीय सदस्यों का निधन इसी बीच में हो गया है, उनके सम्बन्ध में भी शोक संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए मैं अनुरोध करता हूं।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री श्रीपति मिश्र का 7 दिसम्बर, 2002 को लखनऊ में निधन हो गया। वे लगभग 78 वर्ष के थे। वे इस सदन में वर्ष 1962 में निर्वाचित हुए थे, उसके बाद वह 1967 तथा 1980 में भी पुनः निर्वाचित होकर आये थे।

श्री श्रीपति मिश्र समाजवादी विचारधारा के प्रगतिशील नेता थे। वे संसदीय विषयों, नियमों तथा परम्पराओं के मर्मज्ञ तथा प्रभावशाली वक्ता थे। वे वर्ष 1954 में जुडिशियल मजिस्ट्रेट बने तथा 1958 में उस पद से इस्तीफा देकर उन्होंने वकालत प्रारम्भ की थी। वे श्री चरण सिंह मंत्रिमण्डल तथा श्री त्रिभुवन नारायण सिंह मंत्रिमण्डल में मंत्री रहे थे। वे दिनांक 16-06-1967 से 15-04-1968 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के उपाध्यक्ष तथा दिनांक 07-07-1980 से 18-07-82 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष पद पर रहे थे। वे दिनांक 19-07-1982 से 03-08-1984 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे। उन्होंने अनेक पदों पर रहकर लम्बे समय तक प्रदेश की सेवा की।

श्री श्रीपति मिश्र के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री प्रेम सिंह का 5 अगस्त, 2002 को निधन हो गया। वे लगभग 45 वर्ष के थे। श्री प्रेम सिंह ने छात्र जीवन से ही राजनीति में भाग लेना शुरू कर दिया था। वे विकास खण्ड भोजपुर के 5 वर्ष तक जिला प्रमुख रहे थे वे पंचायत ग्राम सभा के प्रधान भी रहे थे। कृषि पत्रिकायें पढ़ने तथा खेतों में उनकी विशेष रुचि थी।

श्री प्रेम सिंह के निधन से जनपद गाजियाबाद ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामदत्त जोशी का 01 जुलाई, 2002 को निधन हो गया। वे लगभग 81 वर्ष के थे। श्री रामदत्त जोशी का जन्म 6 जून, 1921 को हुआ था। उन्होंने इण्टरमीडिएट तक शिक्षा ग्रहण की थी।

श्री रामदत्त जोशी ने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था जिसके फलस्वरूप वे जेल गये थे। वे श्रमिक आन्दोलन तथा औद्योगिक शान्ति में अटूट विश्वास रखते थे। वे नैनीताल (तराई) में चार बड़ी शुगर मिलों के श्रमिक संगठनों के 25 वर्षों तक अध्यक्ष रहे थे। वे खेत मजदूर यूनियन एवं म्यूनिस्पिल कर्मचारी यूनियन के प्रेसीडेन्ट भी रहे थे। वे लेखक, मजदूर नेता एवं एक अच्छे वक्ता के रूप में अपने जनपद में विख्यात थे। पत्रकारिता में उनकी रुचि थी।

श्री रामदत्त जोशी के निधन से उत्तरांचल प्रदेश ने एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, श्रमिक नेता एवं साहित्यकार खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य चौधरी अब्दुल हसीब खां का 29 जुलाई, 2002 को लम्बी बीमारी के कारण निधन हो गया। वे लगभग 78 वर्ष के थे।

चौधरी अब्दुल हसीब खां का जन्म वर्ष 1924 में जनपद बहराइच में हुआ था। वे वर्ष 1962 में निर्वाचन क्षेत्र फखरपुर जिला बहराइच से स्वतंत्र पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे।

चौधरी अब्दुल हसीब खां समाज की सेवा में आजीवन समर्पित रहे। वे रोगियों एवं बाढ़ पीड़ितों को सहायता पहुंचा कर सेवा कार्य करते रहे थे। बन्दूक चलाने, भ्रमण तथा अध्ययन में उनकी रुचि थी। उनके निधन से जनपद बहराइच ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाज सेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री हरिसिंह बाल्मीकि का 10 अक्टूबर, 2002 को निधन हो गया। वे लगभग 73 वर्ष के थे। उनका जन्म 16 दिसम्बर, 1929 को बुलन्दशहर में हुआ था। श्री हरिसिंह बाल्मीकि वर्ष 1967 में निर्वाचन क्षेत्र जेवर, जिला बुलन्दशहर से प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् वे वर्ष 1980 में कांग्रेस (आई) के टिकट पर पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे लोक सभा के सदस्य भी रह चुके थे।

श्री हरिसिंह बाल्मीकि एक योग्य एवं कुशल नेता थे। उन्होंने पार्टी के आन्दोलनों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और कई बार जेल भी गये। वे श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, श्री श्रीपति मिश्र एवं श्री नारायण दत्त तिवारी मंत्रिमंडलों में राज्य मंत्री रह चुके थे। समाज सेवा में उनकी रुचि थी।

श्री हरिसिंह बाल्मीकि के निधन से जनपद बुलन्दशहर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री शीतला प्रसाद सिंह का 11 अक्टूबर, 2002 को निधन हो गया । वे वर्ष 1957, 1962, 1967 तथा 1969 में लगातार निर्वाचन क्षेत्र तरबगंज, जिला गोण्डा से कांग्रेस के टिकट से निर्वाचित हुए थे ।

श्री शीतला प्रसाद सिंह कांग्रेस के एक निष्ठावान एवं समर्पित कार्यकर्ता थे वे सदैव अपने क्षेत्र की भलाई के लिए प्रयासरत रहते थे । समाज सेवा में उनकी रुचि थी ।

श्री शीतला प्रसाद सिंह के निधन से जनपद गोण्डा ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखपाल पाण्डेय का 23 अक्टूबर, 2002 को हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया । वे लगभग 74 वर्ष के थे । उनका जन्म 28 फरवरी, 1928 को हुआ था । श्री सुखपाल पाण्डेय, वर्ष 1969 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी से, वर्ष 1977 में जनता पार्टी से, वर्ष 1985 में लोकदल से तथा वर्ष 1996 में चौथी बार बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे ।

श्री सुखपाल पाण्डेय बचपन से ही किसानों एवं मजदूरों के हितों की लड़ाई लड़ते हुए समाजवादी आन्दोलनों में भाग लेते रहते थे जिसके फलस्वरूप वे कई बार जेल गये । वे वर्ष 1969 से 1974 तक प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सचेतक रहे थे । वे श्री कल्याण सिंह, श्री राम प्रकाश एवं श्री राजनाथ सिंह मंत्रिमण्डलों में राज्य मंत्री रहे थे । उन्होंने समाजसेवा के साथ-साथ शैक्षिक क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया । शिक्षा के प्रचार-प्रसार में उनकी विशेष रुचि थी ।

श्री सुखपाल पाण्डेय के निधन से जनपद बस्ती ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य डा० धर्मपाल सिंह का 07 नवम्बर, 2002 को निधन हो गया । वे लगभग 66 वर्ष के थे । डा० धर्मपाल सिंह का जन्म 15 जनवरी, 1936 को हुआ था । डा० धर्मपाल सिंह वर्ष 1974 तथा 1980 में निर्वाचन क्षेत्र सासनी, तत्कालीन जिला अलीगढ़ से कांग्रेस के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे । डा० धर्मपाल सिंह विभिन्न राजनैतिक आन्दोलनों में भाग लेने के फलस्वरूप वर्ष 1977 तथा 1978 में जेल गये थे । वे कई बार नगर पालिका, हाथरस के सदस्य व उपाध्यक्ष रहे थे । वे स्वायत्त शासन के माध्यम से समाज के पिछड़े वर्ग की प्रगति में सदैव सहायक रहे । उन्हें चिकित्सा एवं सामाजिक कार्य, विशेषकर हरिजनोद्धार में विशेष रुचि थी । उन्हें पर्यटन का भी शौक था । डा० धर्मपाल सिंह के निधन से जनपद महामाया नगर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाज सेवी खो दिया है ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सैय्यद लियाकत हुसैन का 09 नवम्बर, 2002 को मुम्बई में निधन हो गया । वे लगभग 70 वर्ष के थे ।

श्री सैय्यद लियाकत हुसैन का जन्म 05 अप्रैल, 1932 को ग्राम हैवतपुर, जिला फतेहपुर में हुआ था। उन्होंने एम० काम० तथा एल एल० बी० तक शिक्षा ग्रहण की थी ।

श्री सैय्यद लियाकत हुसैन वर्ष 1989 के सामान्य निर्वाचन में निर्वाचन क्षेत्र फतेहपुर, जिला–फतेहपुर से जनता दल के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे । वे लोक सभा के सदस्य भी रह चुके थे ।

श्री सैय्यद लियाकत हुसैन ने अनेक जन-आन्दोलनों में भाग लिया था जिसके फलस्वरूप वे जेल भी गये थे। वे वर्ष 1980–82 तक लोकदल के जिला अध्यक्ष तथा लोकदल के राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य रह चुके थे। वे श्री मुलायम सिंह यादव मंत्रिमंडल में 20 दिसम्बर, 1990 से 24 जून, 1991 तक राज्य मंत्री रहे थे। वे कई शिक्षा संस्थाओं के सदस्य या प्रबन्धक भी रह चुके थे। सामाजिक कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी तथा अध्ययन करना प्रिय था।

श्री सैय्यद लियाकत हुसैन के निधन से जनपद फतेहपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाज सेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अतर सिंह यादव का 16 नवम्बर, 2002 की रात्रि में निधन हो गया। वे लगभग 61 वर्ष के थे।

श्री अतर सिंह यादव का जन्म 5 जुलाई, 1941 को ग्राम नगलापरसी, जिला एटा में हुआ था। वे मैट्रिक पास थे।

श्री अतर सिंह यादव सर्वप्रथम वर्ष 1985 में निर्वाचन क्षेत्र एटा, जिला एटा से लोकदल के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् वे वर्ष 1989 में पुनः विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे।

श्री अतर सिंह यादव एक कर्मठ, ईमानदार तथा लोकप्रिय नेता थे। वे ग्राम सभा अहमदपुर उर्फ नगला धनु के वर्ष 1972 तथा वर्ष 1981 में प्रधान निर्वाचित हुए थे। वे वर्ष 1982 में क्षेत्रीय सहकारी समिति लि०, रिजोर के प्रशासक भी मनोनीत किये गये थे। समाज सेवा में उनकी रुचि थी। श्री अतर सिंह यादव के निधन से जनपद एटा ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रघुनाथ सिंह का 06 दिसम्बर, 2002 को प्रातः निधन हो गया। वे लगभग 77 वर्ष के थे। उनका जन्म 23 अप्रैल, 1925 को हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी० ए० तक शिक्षा ग्रहण की थी। श्री रघुनाथ सिंह वर्ष 1967 तथा 1974 में निर्वाचन क्षेत्र महरौनी, जिला ललितपुर से जनसंघ के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1942 में "भारत छोड़ो आन्दोलन" में भाग लिया था जिसके फलस्वरूप वे जेल गये थे। श्री रघुनाथ सिंह जनसंघ संगठन में अग्रणी कार्यकर्ता थे। वे वर्ष 1971 से अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महासभा के प्रधान रहे थे। उनके जीवन काल में सर्वाधिक लोकप्रिय एवं क्षेत्रीय जनहित का कार्य बच्चों को शिक्षित करने का रहा है। उन्होंने सरस्वती शिशु मन्दिर संस्था के नाम से अनेक विद्यालय/संस्थाओं की स्थापना की थी। श्री रघुनाथ सिंह के निधन से जनपद ललितपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री गजेन्द्र सिंह का 9/10 दिसम्बर, 2002 की रात्रि में लखनऊ में निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। उनका जन्म 1917 को जिला इटावा में हुआ था। उन्होंने बी० ए० तक शिक्षा ग्रहण की थी। श्री गजेन्द्र सिंह सर्वप्रथम वर्ष 1952 में निर्वाचन क्षेत्र विधूना, तत्कालीन जिला इटावा से प्रजा समाजवादी दल के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् वे वर्ष 1957, 1969, 1974 तथा 1980 में लगातार निर्वाचन क्षेत्र विधूना से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री गजेन्द्र सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया था जिसके फलस्वरूप वे अनेक बार जेल गये थे। वे कांग्रेस सोशलिस्ट, प्रजा सोशलिस्ट, संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी व भारतीय क्रान्ति दल की जिला पार्टी के मंत्री रह चुके थे। वे पब्लिक इण्टर कालेज,

विधूना के प्रबन्धक तथा नेहरू स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैथावा के भी आजीवन प्रबन्धक थे। कृषि एवं बागवानी में उनकी रुचि थी। उनके निधन से जनपद औरैया ने एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राम अधार कनौजिया का 16 दिसम्बर, 2002 को निधन हो गया। वे लगभग 83 वर्ष के थे। उनका जन्म 1919 में ग्राम बराबन, जिला फैजाबाद में हुआ था। उन्होंने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तक की शिक्षा ग्रहण की थी। वे वर्ष 1962 में निर्वाचन क्षेत्र महसी, जिला बहराइच से स्वतंत्र पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राम अधार कनौजिया ने सरकारी सेवा से त्याग-पत्र देकर राजनीति में प्रवेश किया था। उन्होंने जिला दलित वर्ग शिक्षा समिति, फैजाबाद के सभापति के पद पर कार्य किया था। वे वर्ष 1966-67 में स्वतंत्र पार्टी के विधान मण्डल दल के नेता रह चुके थे। वे हरिजन संघ, फैजाबाद से सम्बद्ध रहे थे। वर्ष 1968 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। उन्होंने अनुसूचित जनजाति को जागरूक करने व संगठित करने के लिए अनेक कार्य किये। श्री राम अधार कनौजिया के निधन से जनपद बहराइच ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त का 07 जनवरी, 2003 को निधन हो गया। वे लगभग 67 वर्ष के थे। उनका जन्म 7 जुलाई, 1936 को ग्राम मेवा, जिला सीतापुर में हुआ था। उन्होंने एम० ए०, एल० टी० तक शिक्षा ग्रहण की थी। श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त सर्वप्रथम 1977 में निर्वाचन क्षेत्र सीतापुर नगर, जिला सीतापुर से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् वे वर्ष 1980, 1985, 1989, 1991 तथा 1993 में लगातार निर्वाचन क्षेत्र सीतापुर, जिला सीतापुर से भारतीय जनता पार्टी से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त सरल स्वभाव, साफ सुथरी छवि वाले तथा संसदीय मान मर्यादाओं के प्रति समर्पित एक जनप्रिय नेता थे। अनेक जन-आन्दोलनों में भाग लेने के फलस्वरूप वे कारावासित भी रहे। वे विधान सभा की लोक लेखा समिति तथा सरकारी आश्वासन सम्बन्धी समितियों के सभापति रह चुके थे। वे वर्ष 1981–85 तक तथा 1987–89 तक भाजपा विधान मण्डल दल के नेता रहे थे। वे भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के विभिन्न पदों पर रहते हुए इस दल के प्रादेशिक अध्यक्ष भी रहे थे। वे श्री कल्याण सिंह मंत्रिमण्डल में वित्त, नियोजन एवं संसदीय कार्य मंत्री भी रहे थे। वे राज्य बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष भी रहे थे। श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री झिलमिट राम का 15 जनवरी, 2003 को लखनऊ में निधन हो गया। वे लगभग 69 वर्ष के थे। श्री झिलमिट राम एक योग्य एवं कुशल नेता था और विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने के फलस्वरूप वे चार बार जेल गये थे। वह जिला कांग्रेस कमेटी, गाजीपुर के उपाध्यक्ष रह चुके थे। वे अपने जिले के ग्राम बुद्धपुर में एक विद्यालय के संस्थापक व वर्ष 1972 से मैनेजर थे। वे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के प्रान्तीय अध्यक्ष भी थे। श्री झिलमिट राम के निधन से जनपद गाजीपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री हरिशंकर तिवारी 'बिलग्रामी' का 17 जनवरी, 2003 को निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। श्री हरिशंकर तिवारी एक योग्य सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता थे। वे वर्ष 1977-78 में धारा–144 और 151 के अन्तर्गत राजनीतिक बन्दी रह

चुके थे । वे केन सोसाइटी डिग्री कालेज और एस० डी० इण्टर कालेज की प्रबन्ध समिति के सदस्य रह चुके थे । वे केन ग्रोवर सोसाइटी संचालक मण्डल के सदस्य तथा क्षेत्र समिति, बिलग्राम के प्रमुख भी रहे। उनके निधन से जनपद हरदोई ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

मैं इन सभी माननीय सदस्यों के प्रति अपनी ओर से तथा इस पूरे सदन की ओर से संवेदना व्यक्त करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे और उनके शोकग्रस्त परिवारीजनों को इस आघात को सहने की शक्ति दे । मैं उनके प्रति सदन की संवेदनायें जो इस सदन में प्रकट की गयी हैं, को उनके परिवारीजनों तक पहुंचाने का प्रबन्ध करूंगा । आपसे अनुरोध है कि कृपया 2 मिनट खड़े होकर अपनी संवेदनायें देने का कष्ट करें ।

(दिवंगत सदस्यों की आत्मा की शान्ति के लिए सदन में सभी सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए)

श्री अधिष्ठाता–

कृपया आसन ग्रहण करें ।

अब हम उठते हैं और कल 4 मार्च को प्रातः 11 बजे फिर मिलेंगे ।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 30 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया)

लखनऊ : **राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,**

दिनांक : 03 मार्च, 2003 प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश ।

पी० एस० यू० पी० एल० 16 विधान सभा (26)–9-5-2003–(813) प्रतियां ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा